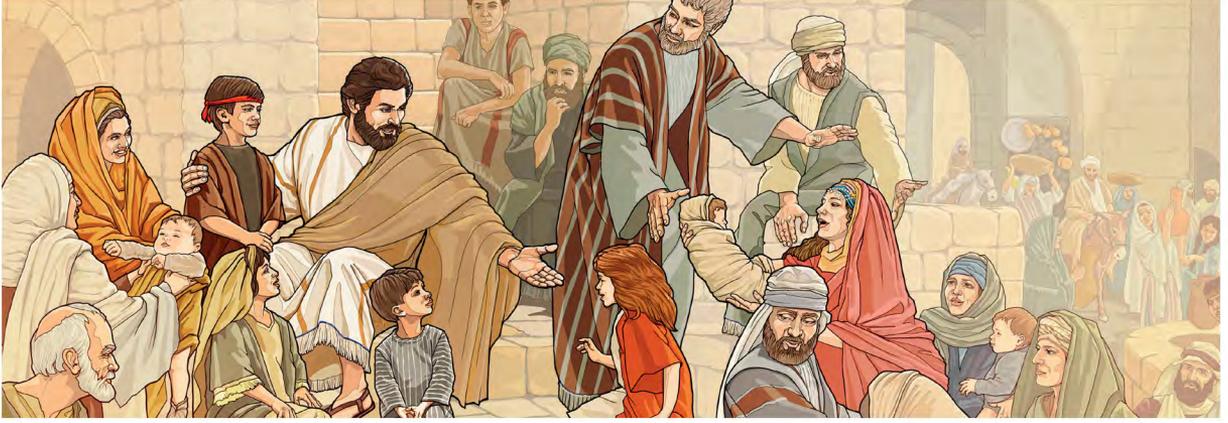


बाइबल असल में क्या सिखाती है? किताब के अध्याय 4 पर आधारित। यह किताब [jw.org](http://jw.org) पर उपलब्ध है।

मकसद: खुद को जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।



## यीशु किस तरह का इंसान था?

### 1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

आपको क्या लगता है, लोग इसका क्या जवाब देंगे?

---

---

आप क्या मानते हैं?

---

---

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

---

---

---

## 2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

यीशु ने हू-ब-हू अपने पिता, यहोवा परमेश्वर के जैसे गुण दिखाए।

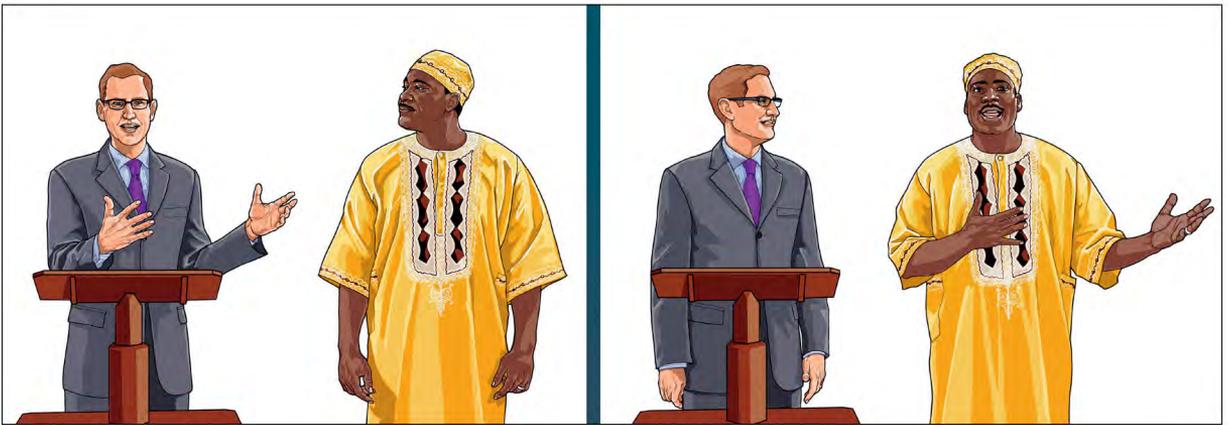
(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 4 के पैराग्राफ 15-19 देखें।)

**यूहन्ना 14:9 पढ़िए।**

यीशु की इस बात का क्या मतलब है: "जिसने मुझे देखा है उसने पिता को भी देखा है"?

**मत्ती 9:35, 36; 21:12, 13 और मरकुस 10:13-16 पढ़िए।**

यीशु ने ज़बरदस्त ताकत के साथ-साथ कोमलता का गुण कैसे दिखाया?



एक अच्छा अनुवादक न सिर्फ वक्ता का संदेश बल्कि उसकी भावनाओं को भी सही-सही ज़ाहिर करता है। उसी तरह, यीशु ने अपने पिता के विचारों और भावनाओं को हू-ब-हू ज़ाहिर किया

## यीशु एक वफादार इंसान था।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 4 का पैराग्राफ 20 देखें।)

### मत्ती 4:1-11 पढ़िए।

शैतान ने जब यीशु को गलत काम करने के लिए लुभाने की कोशिश की, तो यीशु ने उसे ठुकराकर कैसे दिखाया कि वह परमेश्वर का वफादार है?

---

---

---

---

## यीशु एक नम्र इंसान था।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 4 के पैराग्राफ 21-22 देखें।)

### फिलिप्पियों 2:8 पढ़िए।

परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए यीशु को नम्र होने की ज़रूरत क्यों थी?

---

---

---

---

यीशु के खासकर कौन-से गुण आपके दिल को छू जाते हैं?

---

---

---

---

### 3

## समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

परमेश्वर में क्या गुण हैं, यह जानना मुमकिन नहीं है क्योंकि आज तक किसी ने उसे नहीं देखा है।

आप उससे कह सकते हैं . . .

यह सच है कि आज तक किसी इंसान ने परमेश्वर को नहीं देखा है। मगर मैं मानता हूँ कि यीशु हमें सिखा सकता है कि परमेश्वर में क्या गुण हैं क्योंकि . . .

---

---

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

---

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?

---

अगर कोई कहे . . .

यीशु कमज़ोर था; उसने हमेशा कृपा और प्यार के बारे में ही बात की थी।

आप उससे कह सकते हैं . . .

आपकी इस बात से बहुत लोग सहमत होंगे। मगर मैं कुछ और मानता हूँ क्योंकि . . .

---

---

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

---

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?

---